भी प्रविष्टि में सुधार का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा और भरे गये आवेदन के आधार पर ही आवेदक के सन्दर्भ में परीक्षा प्रक्रिया पूरी होगी।

13. **आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने की विभिन्न तिथियाँ :– ऑनलाईन आवेदन पत्र के विभिन्न चरणों को पूर्ण करने की तिथियाँ निम्नवत् हैं:–**

क) रजिस्ट्रेशन करने तथा सूचना दर्ज करने हेतु दिनांक–18.09.2019 से 11.00 बजे पूर्वाहन् से दिनांक–17.10.2019 की मध्य रात्रि तक।

ख) परीक्षा शुल्क भुगतान करने के लिए दिनांक–21.10.2019 की मध्य रात्रि तक।

ग) फोटो एवं हस्ताक्षर अपलोड कर आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेने के लिए दिनांक–23.10.2019 की मध्य रात्रि तक।

घ) दिनांक–24.10.2019 से दिनांक–26.10.2019 तक ऑनलाईन आवेदन पत्र में की गई किसी भी अशुद्ध प्रवष्टि को संशोधित करने के लिए पुनः खोली जायेगी जिसके माध्यम से वैध अभ्यर्थी ऑनलाईन आवेदन पत्र की अशुद्धियाँ संशोधित कर सकेंगे। छूट सहित परीक्षा शुल्क भुगतान करने की स्थिति में शुद्धिकरण का दावा परीक्षा शुल्क भुगतान की राशि तक सीमित होगा।

14. **परीक्षा शुल्क भुगतान करने की प्रक्रिया:–**

परीक्षा शुल्क जमा करने के लिए Submit To Proceed Payment Click करें। एक नया पेज खुल जायेगा जिसमें Term & Condition को टिक (√) कर Proceed बटन दबाकर आगे बढ़ें। इसके बाद Select Payment category के सामने JGGLCCE-2019 Select करें तथा अपना Registration Number डालकर अपना परीक्षा शुल्क का भुगतान करें।

15. **पदों का विकल्प** :–

अभ्यर्थियों को उपलब्ध पदों के अनुसार पदों के लिए आवेदन में अधिमानता क्रम में विकल्प देना अनिवार्य होगा।

16. **<u>परीक्षा का स्वरूप</u> :–आयोग द्वारा ओ0एम0आर0 आधारित परीक्षा लिया जायगा। परीक्षा का स्वरूप निम्न प्रकार होगा।**

परीक्षा का स्वरूप एवं पाठ्यक्रम :– परीक्षा दो चरणों में ली जायेगी –

(क) प्रारम्भिक परीक्षा
(ख) मुख्य परीक्षा

परंतु किसी परीक्षा के लिए 15,000 (पन्द्रह हजार) से कम आवेदन रहने पर सामान्यतः प्रारम्भिक परीक्षा नहीं ली जाएगी और ऐसी स्थिति में सिर्फ एक परीक्षा ली जाएगी जिसमें मुख्य परीक्षा के सभी विषय शामिल होंगे।

सभी परीक्षाओं में सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ एवं बहुविकल्पीय उत्तर युक्त होंगे। एक प्रश्न का पूर्ण अंक 3 (तीन) होगा। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 (तीन) अंक दिये जायेंगे तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 (एक) अंक की कटौती की जायेगी।

भाषेत्तर विषयों को छोड़कर प्रश्न हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

1. प्रारम्भिक परीक्षा :–

(i) प्रारम्भिक परीक्षा में एक पत्र सामान्य ज्ञान का होगा।

पत्र – सामान्य ज्ञान (कुल प्रश्न – 120, परीक्षा अवधि – 2 घंटा)

(क)	सामान्य अध्ययन	–	30 प्रश्न
(ख)	सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
(ग)	सामान्य गणित	–	20 प्रश्न
(घ)	मानसिक क्षमता जाँच	–	20 प्रश्न
(ङ)	झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	30 प्रश्न
	कुल	–	**120 प्रश्न**

(ii)प्रारम्भिक परीक्षा का पाठ्यक्रम :–

पत्र – सामान्य ज्ञान

(क) सामान्य अध्ययनः–

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के सम्बन्ध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जातीी है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय, वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षिय योजना। झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) सामान्य विज्ञानः–

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे। जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ग) सामान्य गणितः–

इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) **मानसिक क्षमता जाँचः–**

इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनो प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से संबंधित यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं – सादृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंक गणितीय तर्कशक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(ङ) **झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः–**

झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्त्व, नागरिक उपलब्धियाँ, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय इत्यादि।

17. प्रारंभिक परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर सामान्य मेधा सूची (Common merit list) तैयार की जायेगी। अनारक्षित और आरक्षित अभ्यर्थियों के कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के 15 गुणा अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया जायेगा।

18. मुख्य परीक्षा :–

मुख्य परीक्षा के लिए तीन पत्र होंगे।यह परीक्षा तीन पालियों में ली जायेगी।प्रत्येक पत्र के परीक्षा की अवधि 2 घंटा की होगी। इसमें निम्न विषय रहेंगेः–

पत्र – 1 (भाषा ज्ञान) : कुल प्रश्न – 120, परीक्षा अवधि – 2 घंटा

(क)	हिन्दी भाषा ज्ञान	–	60 प्रश्न
(ख)	अंग्रेजी भाषा ज्ञान	–	60 प्रश्न

इस परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 30% अर्हतांक निर्धारित रहेगा। प्राप्त अंक मेधा निर्धारण के लिए नहीं जोड़ा जायेगा अर्थात यह पत्र अर्हक (Qualifying) प्रकृति का होगा।

पत्र – 2

<u>जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा, कुल प्रश्न–100, परीक्षा अवधि– 2 घंटा</u>

हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी/हो/खड़िया/कुडूख(उरांव)/कुरमाली/खोरठा/नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया/संस्कृत में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

पत्र– 3

सामान्य ज्ञान, कुल प्रश्न–150, परीक्षा अवधि– 2 घंटा

(क) सामान्य अध्ययन	–	30 प्रश्न
(ख) सामान्य विज्ञान	–	20 प्रश्न
(ग) सामान्य गणित	–	20 प्रश्न
(घ) मानसिक क्षमता जाँच	–	20 प्रश्न
(ङ) कम्प्यूटर का ज्ञान	–	20 प्रश्न
(च) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञान	–	40 प्रश्न

टिप्पणीः– पत्र–1 (भाषा ज्ञान) की परीक्षा में न्यूनतम अर्हतांक 30% (तीस प्रतिशत) होगा। न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए चयन हेतु असफल/अयोग्य माने जायेंगे तथा ऐसे अभ्यर्थियों के पत्र–2 एवं पत्र–3 का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।

मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

पत्र – 1 (भाषा ज्ञान)

(क) हिन्दी भाषा ज्ञान :–

(i)	हिन्दी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न
(ii)	हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न

इस विषय में हिन्दी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा हिन्दी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

(ख) अंग्रेजी भाषा ज्ञान :–

(i)	अंग्रेजी अनुच्छेद पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न
(ii)	अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न	–	30 प्रश्न

इस विषय में अंग्रेजी अपठित अनुच्छेद (Unseen Passage) तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

पत्र – 2 (क्षेत्रीय भाषा)

हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दू/संथाली/बंगला/मुण्डारी/मुण्डा/हो/खड़िया/कुडूख(उरांव)/कुरमाली/खोरठा/नागपुरी/पंचपरगनिया/उड़िया/संस्कृत में से किसी एक भाषा की परीक्षा विकल्प के आधार पर अभ्यर्थी दे सकेंगे। इस परीक्षा में संबंधित भाषा के 100 बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

हिन्दी

1. भाषा

हिन्दी की उत्पत्ति

पुरानी हिन्दी अवहट्ट

डिंगल

भाषा के विभिन्न रूप :– रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।

हिन्दी का शब्द भंडारः– तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशज।

भाषा विज्ञान :– भाषा की परिभाषा, उत्पत्ति, विकास ध्वनि परिवन्रन और अर्थ परिवर्तन।

साहित्य सिद्धान्त :– काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, शब्द–शक्ति, रस, छंद, अंलकार।

पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्तः–प्लेटो, वर्ड्सवर्थ, मैथ्यू आर्नल्ड, आइ0ए0 रिचर्ड्स, टी0एस, इलियट के सिद्धान्त।

प्रयोजनमूलक हिन्दी :– अवधारणा, प्रशासनिक हिन्दी, प्रशासनिक पत्राचार, संक्षेपण, टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन।

2. **साहित्य**

काव्य– पुस्तक – काव्य कुन्ज

निर्धारित कवि– विद्यापति, कबीर, सूरदास, तुलसीदास, बिहारी, रसखान, भूषण।

(ख) काव्य वीथि

निर्धारित कवि– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, रामधारी सिंह दिनकर, अज्ञेय, नागार्जुन, सर्वेश्वर दयाल सक्सेना और धूमिल।

3. उपन्यास

क. गोदान – प्रेमचन्द।

ख. मैला आँचल – फणीश्वर नाथ रेणु।

ग. रांगदरबारी – श्रीलाल शुक्ल।

4. कहानियाँ

क. मधुआ – जयशंकर प्रसाद

ख. ठाकुर का कुआँ – प्रेमचन्द

ग. नीलम देश की राजकन्या– जैनेन्द्र कुमार

घ. परिन्दे – निर्मल वर्मा

ड. दिल्ली में एक मौत– कमलेश्वर

च. वापसी – उषा प्रियवंदा

छ. अभिशप्त – यशपाल

ज. मिसपाल – मोहन राकेश

पुस्तक– कथा केतन

5. **नाटक**

क. भारत–दुदर्शा– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

ख. ध्रुव स्वामिनी– जयशंकर प्रसाद

ग. आधे– अधूरे– मोहन राकेश

हिन्दी साहित्य का इतिहास–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र शुक्ल

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– सं0 डॉ0 नागेन्द्र

व्याकरण :– संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक, समास, महावरे।

English Language and Literature

1. Language

I. Error Recognition
II. Fill in the Blanks
III. Vocabulary
IV. Spellings
V. Grammar- Adjective, noun, pronoun, verb, subject-verb Agreement, Interchangeability of noun and Verb, Gerund, Participle, Infinitive, Adverb, tense, Clause, Transformation, Narration, Voice, Preposition.
VI. Sentence Structure
VII. Synonyms
VIII. Antonyms
IX. Sentence Completion
X. Idioms & Phrases
XI. Comprehension Passage etc.

2. Literature

- **Novel-** Old man and the Sea- Earnest Hemingway; The Painter of signs- R.K. Narayan; The Power and the Glory- Graham Greene; Fasting, Feasting- Anita Desai

- **Drama-** The Tempest- William Shakespeare; Dr. Faustus Christopher Marlowe; Final Solutions- Mahesh Dasttani, Hayavadana- Girish Karnard.
- **Poetry-** Sonnet-29- William Shakespeare; The Rainbow- William Wordsworth; The Traveller- Walter De La Mare; Lead Kindly Light- Cardinal Newman; the Splendour Falls- Alfred Lord Tennyson; Ode to a Nightiangle - John Keats; The Hollow Men- T.s. Eliot; Telephone conversation- Wole soyinka; A River- A.K. Ramanujan
- **Short Stories**- A Snake in the Grass- R.K. Narayan; The Castaway- Rabindranath Tagore; The man of the House- Frank O'Connor; The Flood- Kamala Markandaya; The country of the Blind- H.G. Wells; The basement Room- Graham Greene.
- **Essay-** Voluntary Poverty- M.K. Gandhi; Discipline for Daily Life- Lewis Mumford; The Civilization of To-day- C.E.M. Joad; Letter to a Teacher- Nora Rossi and Tom Cole (Trans.); Kamala Nehru- Jawaharlal Nehru.
- **History of the English Language** : A History of English Lnaguage- A.C. Baugh, Origins of the English Language- Joseph Willies.
- **Phonetics** - A Text Book of English Phonetics for Indian students- Balasubramaniam, A Course in Phonetics - P. Ladefoged.

Urdu Language and Literature

1. **Urdu Literature Prose**

I.	Kafan	- Premchand
II.	Naya Qanoon	- Saadat Hassan Munto
III.	Aakhri Harba	- Elyas Ahmed Gaddi.

Poems

I.	Muflisi	- Nazeer Akbarabadi
II.	Subh-e-Azadi	- Faiz Ahmed Faiz
III.	Waladat Nabvi	- Hali.

Ashar

I. Aai Rashni-e-tabe jala kiyon Nahi deti - Siddque Mujeebi
II. Sabnam Bhigi Ghas per chalna kitna aachha lagta hai - Prakash Fikri
III. Tamannaon Main Uljhaya gaya Hoon - Shad Azimabadi.

2. i. Umraojan Ada - Mirza Hadi Ruswa.

3. **Grammar**

I. Gender
II. Opposite
III. Meaning
IV. Singular
V. Plural
VI. Similar.

कुरमाली

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, कारक, पुरूष, क्रिया, अव्यय, विशेषण, प्रत्यय, उपसर्ग, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पहेली (बुझौवल)।

2. कुरमाली लोकसाहित्य :–

क. लोक साहित्य की परिभाषा, कुरमाली लोककथा, वर्गीकरण, लोकनाट्या लोकगीत : डाँइडधरा, एढ़ेइया, बाँदना, करम, बिहा, डमकच।

ख. शिष्ट साहित्य : आधुनिक कविता की प्रवृतियाँ, कवित–रचना–विधान

ग. कहानी : कुरमाली केहनी जड़ती की सभी कहानियाँ।

घ. निबंध : महाकवि विनन्द सिंह, गौरांगिया, संतकवि सृष्टिधर, संतकवि महीपाल, डॉ नन्द किशोर सिंह

हो

1. **व्याकरण** :– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, लिंग, पुरूष, विलोम शब्द, काल, मुहावरे, पहेली, कहावत आदि।

2. **साहित्य :–**

(क) हो लोक साहित्य :– अर्थ, परिभाषा, हो आदिवासी के उद्‌भव और विकास, गोत्र। लोकगीत–मागे, बा, हेरोः जोमनमा आदि।

(ख) हो शिष्ट साहित्य

(ग) नाटक– गिरूनगर– चोम्पानगर

(घ) उपन्यास– होकुड़ि

(ड.) निबंध :– मागे पोरोब, हेरो पोरोब, हेरमुट, बा पोरोब, जोनोम, दोस्तुर, आंदि दोस्तुर, गोनोःय दोस्तुर।

(च) कविता :– हर्ताहसा, जोनोम दिसुम, अले दिसुमरे, अबुअः नमा भारत, दुल सुनुम जुलोः दिसुम लागिड।

खोरठा

1. **गद्य भाग**

(क) छॉइहर (कहानी संग्रह) – लेखक – चितरंजन महतो चित्रा

(ख) सोंध माटी (कहानी संग्रह) – लेखक – डॉ0 विनोद कुमार

(ग) खोरठा निबन्ध – लेखक – डॉ0 बी0एन0 ओहदार

2. **पद्य भाग :–**

(क) दामुदेरक कोराञ् – लेखक – शिवनाथ प्रमाणिक

(ख) ऑखीक गीत – लेखक – श्री निवास पानुरी

(ग) खोरठा–कोठ पइदेक खेड़ी – लेखक – डॉ0 ए0के0झा

(घ) एक मउनी फूल – लेखक – संतोष महतो

3. **नाटक**

(क) डाह – सुकुमार

(ख) अजगर – लेखक – विश्वनाथ दसौधी राज

(ग) चाभी काठी – लेखक – श्री निवास पानुरी

(घ) उदवासल कर्ण – लेखक – श्री निवास पानुरी

4. **साहित्य की अन्य विद्याएँः–**

(क) संस्मरण

(ख) जीवनी

(ग) यात्रा वृवांत

(घ) शब्द चित्र

खड़िया

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियॉ, मुहावरे, बुझावल, उल्टा शब्द आदि।

2. (क) खड़िया साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भेद–उपभेद, खड़िया जाति का उद्‌भव और विकास, गोत्र विभाजन, गढ़ विभाजन।

   लोकगीत– जाङ कोर, कमर बंदोई, कदलेटा, जनम पर'ब, मुरड', बिहा (केरसोङ)

   (ख) खड़िया शिष्ट साहित्य – गद्य–पद्य साहित्य।

   (ग) कहानी – लोककथा।

   (घ) निबंध – शहीद तेलेंगा खड़िया, गोपाल खड़िया, खड़िया महासभा, बंदोई, जाङ कोर, करम, जनम पर'ब'।

पंच परगनिया

1. व्याकरण – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, वाक्य, काल समास, अव्यय, मुहावरा, पहेलि, बुझौवल आदि।

2. साहित्य – पंच परगनिया लोक साहित्य–अर्थ, परिभाषा, भाग, विभाग, पंच परगनिया भाषा साहित्य की विशेषतायें आदि।

3. लोकगीत – पुस लोक गीत, बिहा गीत, करम गीत, सँहरइ गीत, मंत्र गीत और बालगीत आदि।

4. मध्यकालीन कवियों की काव्य रचना – पाठयांश।

5. कहानी – पाठयांश से संबंधित कहानी।

6. निबंध– सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक भौगोलिक विषयों पर आधारित

संथाली

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग, पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ, मुहावरे, बुझोबोल

2. साहित्य–

(क) संताली लोक साहित्य – अर्थ, परिभाषा, भाग– विभाग, संतालों का उद्‌भव और विकास, गोत्र विभाजन, गाढ़ विभाजन।

लोक गीत– डाहार, बाहा, सोहराय, काराम दोङ, दाँसाय।

(ख) संताली शिष्ट साहित्य – कविता, कुङकुरूबुद, साँवहेंत्, मारांड़ो, सेंगेल, बिरसा मुण्डा, तुपुनघाट, साना, राहला रिमिल।

(ग) कहानी – माड़घाटी, तारा आञ्चार, आनखा लाहा, काथा रेनाङ गोनोङ।

(घ) निबंध – सिदो कानहू हुल, बाबा तिलका माँझी हुल, डिबा किसुन हुल, बिरसा आन्दोलन।

उड़िया

1. **भाषा विभाग**

भाषा

उपभाषा

भाषार उत्‌पति सिधांत

भाषा परिबर्त्तनर कारण

भाषा परिबर्त्तनर दिग

ध्वनि परिबर्त्तनर कारण

उड़िया भाषा उपरे अन्यान्य भाषार प्रभाव

2. **उड़िया साहित्यर इतिहास**

आरम्भरु पंचसखा युग पर्यन्त

लोकगीत

लोक कहाणी

लोक नाट्‌क

लोक वाणी

शरला दास पंचसखा युग (बलराम दास, जगन्नाथ दाश, अच्युतानन्द दास, जशोवंत दास, अनंत दास)

सहायक ग्रंथसूची

(क) भाषा विज्ञानर रूपरेख – डॉ0 वासुदेव साहु

(ख) उड़िया भाषार उनमेश ओ विकाश – डॉ0 वासुदेव साहु

(ग) भाषा शास्त्र परिचय – डॉ0 गोलक विहारी धल

(घ) ध्वनि विज्ञान – डॉ0 गोलक विहारी धल

3. **गल्प विभाग**

गल्प ओ एकांकिका – Edition 2000 (OBSE)

(क) रेवती – फकीर मोहन सेनापति

(ख) तुमे कि सते पथर हेल – गोदावरीश महापात्र

(ग) बउला – राज किशोर राय

(घ) आईवुढ़ी – वंसत कुमार सतपथि

(ङ) अशुभ पुत्रर काहाणी – अच्युतानंद पति

4. **एकांकिका विभाग**

गल्प ओ एकांकिका Edition 2000 (OBSE)

(क) दूर पाहाड़ – प्राणवन्धु कर

(ख) फल्गु – मनोरंजन दास

5. **व्याकरण विभाग**

विशेष्य, विशेषण, संधि, समास, वाक्य रूपान्तर, भ्रम संशोधन, समच्चारित शब्द, एकपदरे प्रकाश, कुदन्त तद्धित।

संस्कृत भाषा

1. भाषा विज्ञान,

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास,

3. वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, आख्यक, उपनिषद्)

4. वेदाङग, (शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरूक्त, ज्योतिष और छनद)

5. व्याकरण (स्वर–व्यंजन, वर्ण, स्वर, ध्वनि, पद, वाक्य, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रियाविशेषण, अव्यय, शब्द रूप, धातु रूप, कृत् प्रत्यय, तद्धित प्रत्यय, स्त्री प्रत्यय, सन्धि, समास तथा वाक्य रचना) पर आधारित होंगे।

पूर्वमेध (कालिदास), उत्तररामचरित (भवभूति), अभिज्ञान शाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक), कादम्बरी (शुक नाशोपदेश), भिक्षुपाल वद्य (प्रथम सर्ग), किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) तथा शिवराज विजय ग्रन्थों से भी बहुवैकल्पिक प्रश्न पूछे जायेंगे।

शब्द रूप निम्न शब्दों के (सातों विभक्तियों में)

बालक, लता, नदी, मुनि, गुणिन्, साधु, भवत्, अस्मद् युस्मद् तत् (तीनों लिङ्गों में), सर्व, युवती, लेखनी, रेणु, पयस्, वस्तु तथा आत्मन्।

धातु रूप (लट् लोट्, विधि लिङ्ग, लङ् तथा लृट् लकारों में)

पठ्, गम्, दृश्, पा्, हन्, भू, अस्, नृत्, लिख्, दिश्, मुच्, स्था्, यच्छ्, शच्, तथा अर्च्।

नागपुरी भाषा साहित्य पाठ्यक्रम

1. व्याकरण :– वर्ण, सज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया विशेषण, अव्यय, समास, उपसर्ग प्रत्यय काल, क्रिया, वाक्य, उपसर्ग प्रत्यय, समास, अनेक शब्द के बदले एक शब्द, विलोम शब्द, समानार्थी शब्द, मुहावरे एवं कहावतें, वाक्य शुद्धि।

2. साहित्य :– (क) नागपुरी लोक साहित्य– लोक गीत, लोक कथा, पहेली, कहावत, मुहावरे

(ख) लोक गीत– डमकच, पावस, उदासी, फगुआ पंचरंगी, फगुआ पुछारी, झूमर, अंगनई, लहसुआ झुमआ, सोहराइ गीत।

(ग) नागपुरी लोक कथा–तिरियाँ चरित, वनाहरनी कर बेटा, सातभाई एक बहिन, छोटकी बोहोरिया, नवाँचाद आदर गोपीचांद।

(घ) नागपुरी शिष्ट साहित्य– वन केंवरा– भाग–एक–गद्य–पद्य संग्रह शकुंतला मिश्र एवं डॉ0 उमेश नन्द तिवारी

मुण्डारी

1. व्याकरण–संज्ञा, सर्वनाम, वचन, लिंग पुरूष, क्रिया, काल, विशेषण, अव्यय, प्रत्यय, पहेलियाँ, मुहावरे, बुझौवल।

2. साहित्य –

(क) मुण्डारी लोक साहित्य– अर्थ, परिभाषा, भाग–विभाग, मुण्डाओं का उद्‌भव और विकास, गोत्र विभाजन, गढ़ विभाजन।

लेकगीत– बा, करम, सोहराई, अड़ान्दि।

(ख) मुण्डारी शिष्ट साहित्य – कविता, बिरसा मुण्डा, प्रेम प्रसंग, प्रकृति गीत।

(ग) कहानी–करम कथा, सृष्टि कथा, जीव जन्तु की कथा, सियार और बुढ़ा की कथा।

(घ) निबन्ध– बिरसा मुण्डा के अलगुलान, गया मुण्डा, चोट्टि मुण्डा, माघे परब, माडा परब, सोहराई परब इत्यादि।

Bengali

1. Prose, Poetry, Drama

(A) Krishnakanter will - Bankim Chandra Chattopadhyay

(B) Pather Panchali - Bibhuti Bhushan Bandyopadhyay

(C) Chitra - Rabindranath Thakur (Selected)

(i) Sukh (ii) Urabashi (iii) 1400 sal (iv) Antarjami (v) Jibandebota

(D) Madhukari - Kalidas Roy (Selected)

(i) Mahakal (ii) Duiti Sattabani (iii) Mitrakkar (iv) Kalapahar

(v) Purano Kagajer Feriwala.

(E) Sajahan - Dwijendra Lal Roy

(F) Nananna - Bijon Bhattacharjee

(G) Sahityer Rup O Riti

(i) Mahakabya (ii) Gitikabya (iii) Tragedy (iv) Comdedy (v) Romanticism (vi) Classicism

Khudukh

1. व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, वचन, पुरूष, विलोम शब्द, काल, मुहावरे, पहेली, कहावत आदि।

2. साहित्य– (क) कुडुख़ लोक साहित्य– अर्थ, परिभाषा, उद्‌भव और विकास, गोत्र।

लोक गीत – बेंजा, लूझकी, तोकना डंडी, खद्दी करम, असारी, बरोया धुड़िया।

(ख) कुडुख़ शिष्ट साहित्य– नाटक, उपन्यास, कहानी, शहीद, निबन्ध, कविता, यात्रा वृत्तांत, आलोचना का उद्‌भव और विकास एवं विशेषताएँ।

पत्र –3 (सामान्य ज्ञान)

(क) सामान्य अध्ययनः–

इसमें प्रश्नों का उद्देश्य अभ्यर्थी की सामान्य जानकारी तथा समाज में उनके अनुप्रयोग के सम्बन्ध में उसकी योग्यता की जाँच करना होगा। वर्तमान घटनाओं और दिन–प्रतिदिन की घटनाओं के सूक्ष्म अवलोकन तथा उनके प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण जैसे मामलों की जानकारी जिसे कि किसी भी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जाताी है। इसमें झारखण्ड, भारत और पड़ोसी देशों के संबंध में विशेष रूप से यथा संभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं। सम–सामयिक विषय, वैज्ञानिक प्रगति, राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय भाषाएँ, पुस्तक, लिपि, राजधानी, मुद्रा, खेल–खिलाड़ी, महत्त्वपूर्ण घटनाएँ। भारत का इतिहास, संस्कृति, भूगोल, पर्यावरण, आर्थिक परिदृश्य, स्वतंत्रता आंदोलन, भारतीय कृषि तथा प्राकृतिक संसाधनों की प्रमुख विशेषताएँ एवं भारत का संविधान एवं राज्य व्यवस्था, देश की राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, सामुदायिक विकास, पंचवर्षिय योजना।

झारखण्ड राज्य की भौगोलिक स्थिति एवं राजनीतिक स्थिति की सामान्य जानकारी।

(ख) सामान्य विज्ञानः–

सामान्य विज्ञान के प्रश्न में दिन–प्रतिदिन के अवलोकन एवं अनुभव पर आधारित विज्ञान की सामान्य समझ एवं परिबोध से संबंधित प्रश्न रहेंगे। जैसा कि एक सुशिक्षित व्यक्ति से जिसने किसी विज्ञान विषय का विशेष अध्ययन नहीं किया हो, अपेक्षित है।

(ग) सामान्य गणितः–

इस विषय में सामान्यतः अंक गणित, प्राथमिक बीजगणित ज्यामिति, सामान्य त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति से संबंधित प्रश्न रहेंगे। सामान्यतः इसमें मैट्रिक/10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न रहेंगे।

(घ) मानसिक क्षमता जाँचः–

इसमें शाब्दिक एवं गैर शाब्दिक दोनो प्रकार के प्रश्न रहेंगे। इस घटक में निम्न से संबंधित यथासंभव प्रश्न पूछे जा सकते हैं –सादृश्य, समानता एवं भिन्नता, स्थान कल्पना, समस्या समाधान, विश्लेषण, दृश्य स्मृति, विभेद, अवलोकन, संबंध अवधारणा, अंक गणितीय तर्कशक्ति, अंक गणितीय संख्या श्रृंखला एवं कूट लेखन तथा कूट व्याख्या इत्यादि।

(ङ) कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञानः–

इसमें कम्प्यूटर के विभिन्न उपकरणों, एम॰एस॰ विन्डो ऑपरेटिंग सिस्टम, एम॰एस॰ ऑफिस एवं इंटरनेट संचालन की विधि की जानकारी से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

(च) झारखण्ड राज्य से संबंधित ज्ञानः–

झारखण्ड राज्य के भूगोल, इतिहास, सभ्यता, संस्कृति, भाषा–साहित्य, स्थान, खान खनिज, उद्योग, राष्ट्रीय आंदोलन में झारखण्ड का योगदान, विकास योजनाएँ, खेल–खिलाड़ी, व्यक्तित्त्व, नागरिक उपलब्धियाँ, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व के विषय इत्यादि।

19. मुख्य परीक्षा के आधार पर चयन की प्रक्रिया एवं मेधा सूची का निर्माणः–

19.(1) मुख्य परीक्षा के आधार पर सामान्य मेधा–सूची तैयार की जायेगी और तदुपरान्त रिक्तियों के अनुसार आरक्षणवार चयनसूची गठित होगी। मुख्य परीक्षा में पत्र–2 एवं पत्र–3 के प्राप्तांकों के योगफल में निम्न न्यूनतम अर्हतांक से कम अंक पाने वाले अभ्यर्थियों को मेधा–सूची में शामिल नहीं किया जायेगाः–

(I)	अनारक्षित (पुरूष एवं महिला)	–	40 (चालीस) प्रतिशत
(II)	अनुसूचित जनजाति(पुरूष एवं महिला)	–	32 (बत्तीस) प्रतिशत
(III)	अनुसूचित जाति(पुरूष एवं महिला)	–	32 (बत्तीस) प्रतिशत
(IV)	अत्यन्त पिछड़ा वर्ग –(अनुसूची–1) पुरूष	–	34 (चौंतीस) प्रतिशत
(V)	पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2 (पुरूष)	–	36.5 (साढ़े छत्तीस) प्रतिशत
(VI)	महिला (अनारक्षित, पिछड़ा वर्ग अनुसूची–2 एवं अत्यन्त पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–1))	–	32 (बत्तीस) प्रतिशत

19.(2) मुख्य परीक्षा के पत्र–2 एवं पत्र–3 में प्राप्त अंकों को जोड़कर कुल प्राप्त अंकों के आधार पर मेधा सूची का गठन किया जाएगा।

19.(3)आयोग द्वारा आयोजित मुख्य परीक्षा में कंडिका–18 की टिप्पणी के अधीन प्रश्न पत्र 2 एवं 3 के विषयों के प्राप्तांक के योग के आधार पर सामान्य मेधा–सूची (Common Merit List)तैयार की जायेगी और कोटिवार रिक्त पदों की संख्या के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा।चयन सूची मेधा–सह–विकल्प के आधार पर तैयार की जायेगी।

19.(4) मेधा–सूची में एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक समान (Equal Marks)रहने पर मेधा का निर्धारण उम्मीदवारों की जन्म तिथि के आधार पर किया जायेगा तथा अभ्यर्थी, जिनकी उम्र ज्यादा होगी, उन्हें अपेक्षाकृत ऊपर स्थान मिलेगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवारों के प्राप्तांक और जन्म तिथि समान पायी जाती है, तो ऐसी स्थिति में उनके स्नातक समकक्ष अथवा अन्य अर्हत्ता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर वरीयता का निर्धारण किया जायेगा, अर्थात स्नातक समकक्ष अथवा अन्य अर्हत्ता परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को मेधाक्रम में ऊपर रखा जायेगा।

19.(5) मेधा के आधार पर अनारक्षित पद के लिये तैयार मेधा सूची में समान मापदंड पर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी के आने की स्थिति में उक्त अभ्यर्थी की गणना अनारक्षित वर्ग के अनुमान्य पदों के विरूद्ध की जायेगी और उनके नाम के सामने उनका आरक्षण वर्ग भी अंकित होगा। इस सम्बन्ध में विज्ञापन प्रकाशन की तिथि तक राज्य सरकार से प्राप्त अद्यतन निर्देशों का पालन किया जायेगा।

19.(6) परीक्षा के आधार पर मेधा–सूची प्रारूप गठित करने के पश्चात् यथा समय अपनी सुविधा के अनुसार आयोग के द्वारा अपने स्तर से अथवा कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के सहयोग से प्रमाण पत्रों की प्रारंभिक जांच करायी जायेगी।

19.(7) प्रमाण पत्रों की जांच के क्रम में यदि किसी कोटि के अभ्यर्थी के दावों का सत्यापन नहीं हो पाता है और उनकी अभ्यर्थिता रद्द हो जाती है, **तो ऐसी स्थिति में सम्बन्धित कोटि में रिक्त पदों की उपलब्धता के आलोक में मेधा सूची से क्रम के अनुसार अभ्यर्थियों को प्रमाण–पत्रों के जाँच के लिए आमंत्रित किया जायेगा।**

20. नियुक्तिः–

(i) परीक्षा में सफलता सेवा पदों पर नियुक्ति के लिये कोई अधिकार प्रदत्त नहीं करेगा, जब तक झारखण्ड सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाय, समाधान नहीं हो जाता है कि अभ्यर्थी लोक सेवा में नियुक्ति के लिये अपने चरित्र और पूर्व वृत्त के सम्बन्ध में सभी प्रकार से उपयुक्त है।

(ii) सेवा में नियुक्तियाँ समय–समय पर कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, झारखण्ड सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अत्यन्त पिछड़ा

वर्ग(अनुसूची–1), पिछड़ा वर्ग (अनुसूची–2) तथा आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के वर्ग के लिये सेवा में विशेष प्रतिनिधित्व के सम्बन्ध में आदेशों के अध्यधीन होगी।

21. अन्यान्यः–

1. आयोग द्वारा परीक्षाओं के संचालन के अवसर पर झारखण्ड परीक्षा संचालन अधिनियम, 2001 के प्रावधान प्रभावी होगें।

2. आवेदन में अंकित सूचनाओं एवं प्रविशिष्ठयों की पूर्ण जिम्मेवारी आवेदक की होगी तथा किसी भी प्रकार की गलत जानकारी के लिए आवेदक स्वयं उत्तरदायी होंगे।

3. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा के विषय पर अभ्यर्थी/उनके माता–पिता/अभिभावक द्वाराः–

   (i) आवेदन प्रपत्र में गलत सूचना देने/गलत प्रमाण पत्र समर्पित करने/जालसाजी,

   (ii) परीक्षा के दौरान अवैध तरीका अपनाने/नकल करने/फर्जी अभ्यर्थी को अपनी जगह पर परीक्षा में बैठाने/कदाचार करने में लिप्त पाये जाने,

   (iii) प्रमाण पत्रों की प्रारम्भिक जाँच के अवसर पर आयोजित काउन्सेलिंग (Counselling) के दौरान फर्जी प्रमाण–पत्रों/फर्जी पहचान के आधार पर नियुक्ति हेतु चयन सूची में स्थान पा जानेकी स्थिति में वे निम्न दण्ड के भागी होंगे :–

      (क) अभ्यर्थी की उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।

      (ख) अभ्यर्थी को आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में भाग लेने के लिये अगले 2 वर्षों के लिये वंचित कर दिया जायेगा।

      (ग) अपराधिक घटना की स्थिति में अभ्यर्थी/उनके माता–पिता/अभिभावक यथास्थिति जो भी उत्तरदायी हो, के विरूद्ध विधि के अनुरूप कार्रवाई की जायेगी।

4. आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की आवेदन पत्र/उम्मीदवारी निम्न अवस्थाओं में रद्द किया जा सकेगा :–

   (i) अभ्यर्थी की उम्र परीक्षा में भाग लेने के लिये निर्धारित उम्र सीमा में नहीं होना।

   (ii) शैक्षणिक योग्यता सहित निर्धारित अर्हताओं को पूरा नहीं करना।

   (iii) निर्धारित परीक्षा शुल्क जमा नहीं करना।

   (iv) प्रमाण पत्रों की जाँच के अवसर पर उम्मीदवारी के समर्थन में आवश्यक अर्हताओं से सम्बन्धित यथा निर्धारित प्रमाण पत्रों की मूल प्रति निर्धारित समय सीमा के अन्दर प्रस्तुत नहीं करना।

   (v) आयोग की परीक्षा में नकल करना।

   (vi) आयोग की परीक्षा में अपने बदले किसी अन्य व्यक्ति को फर्जी ढंगसे शामिल करना।